केन्द्र सरकार ने पूर्व में 16 विभिन्न बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजनाओं को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया है। स्वीकृत परियोजना में यह परियोजना सबसे बड़ी होने के बावजूद भी राजस्थान की इस बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में हुई नीति आयोग की बैठक में भी मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने प्रधान मंत्री जी के समक्ष यह मामला उठाया था। मुख्यमंत्री जी ने इस बैठक में प्रधान मंत्री जी को राजस्थान प्रवास के दौरान अजमेर की जनसभा में किया गया उनका वादा याद दिलाते हुए इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना के रूप में शीघ्र स्वीकृति देने की मांग की है।

अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि प्रदेश में पेयजल की गंभीर समस्या के चलते इस परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देकर इसकी जल्द क्रियान्विति सुनिश्चित की जाए।

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

श्री शक्तिसिंह गोहिल (गुजरात): महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

MATTERS RAISED WITH PERMISSION - *Contd.*

Need to enact a strict law to stop adulteration of milk

श्री सभापति: श्री जुगलसिंह माथुरजी लोखंडवाला । आपका ज़ीरो ऑवर वाला नोटिस है, उसके बारे में संक्षेप में बोल दीजिए।

श्री जुगलसिंह माथुरजी लोखंडवाला (गुजरात): सर, यह आज है? सर, मुझे कल के बारे में बताया गया था।

श्री सभापतिः हाँ, आज है।

श्री जुगलसिंह माथुरजी लोखंडवाला: सभापति महोदय, दूध में जो मिलावट हो रही है, मैं उसके बारे में सदन में बताना चाहता हूं। आज की तारीख में भारत के अंदर करीब-करीब 1,700 करोड़ लीटर दूध हमारे यहां पर होता है। उसके अंदर आज आप देख रहे हैं - पूरे भारत के अंदर करीब-करीब 64 करोड़ लीटर दूध मिलावट का आता है। हम लोग सुबह जो दूध पीते हैं - हमारे बच्चे रोज़ दूध पीते हैं या हमारे बुज़ुर्ग दूध पीते हैं, उसमें कहीं न कहीं मिलावट होती रहती है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि दूध में जो मिलावट हो रही है, उसके कारण हम लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जिसकी वजह से हम अनेक रोगों से संक्रमित हो रहे हैं। कैंसर वगैरह जैसी भयंकर बीमारियां लोगों को हो रही हैं, उन बीमारियों से भी हम लोगों को छुटकारा मिलना चाहिए, क्योंकि हम लोग हर रोज़ दूध पीते हैं। मिलावट का दूध पीने से काफी लोगों को कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियां हुई हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि दूध में मिलावट करने वालों को सख्त से सख्त सज़ा मिलनी चाहिए।

DR. AMEE YAJNIK (Gujarat): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

श्री रामकुमार वर्मा (राजस्थान): महोदय, भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

श्रीमती सम्पतिया उइके (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करती हूँ।

***Need for financial and medical aid for children suffering from spinal muscular atrophy**

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, Shri Vivek Tankha raised a Zero Hour issue and the Finance Minister would like to respond. So, I have permitted her. ..(*Interruptions*).. उसी का क्लैरिफिकेशन है। She is ready. We must accept it.

---

* Shrimati Nirmala Sitharaman, Minister of Finance; and Minister of Corporate Affairs responded to the matter raised by shri Vivek K. Tankha, Member on the 17th march, 2021.